८ सत्रिया और बिहू नृत्य

कहानी का सारांश

यह कहानी एक अंग्रेजी लड़की एंजेला के बारे में है जो अपनी माँ के साथ असम की यात्रा पर जाती है। उसकी माँ असम के नृत्य पर एक डॉक्यूमेंट्री बना रही हैं। असम पहुंचकर एंजेला को बिहू और सत्रिया जैसे नृत्यों के बारे में पता चलता है। वह इन नृत्यों से बहुत प्रभावित होती है और खुद भी नृत्य सीखने की कोशिश करती है। इस यात्रा के दौरान एंजेला को असम की संस्कृति, लोगों और उनके जीवन के बारे में बहुत कुछ जानने का मौका मिलता है। असम की यात्रा के बाद एंजेला के जीवन में एक बड़ा बदलाव आता है और वह नृत्य के प्रति और भी गहरा लगाव महसूस करती है।

शब्दार्थ:

प्राचीन : पुराना
मोहक : लुभावना
अंदाजा : अनुमान
डॉक्यूमेंट्री : एक ऐसी फिल्म जो किसी घटना, व्यक्ति या विषय के बारे में सच्ची जानकारी देती है।
समृद्ध : संपन्न, खुशहाल
वित्तीय मदद : आर्थिक सहायता
पेचीदा : जटिल
धान रोपना : चावल की फसल तैयार करना
माहौल : वातावरण
हतप्रभ : बहुत आश्चर्यचकित
मंत्रमुग्ध : मोहित, आकर्षित
वाद्ययंत्र : संगीत बजाने का उपकरण
पोशाक : पहनावा
अचंभित : आश्चर्य, चकित
लजीज : स्वादिष्ट
बहुतायत : अधिकता
फिल्मांकन : चलचित्रण, फिल्म बनाना
साक्षात्कार : किसी व्यक्ति से बातचीत करके जानकारी प्राप्त करना।
असमिया : असम की भाषा या लिपि।
मठ : ऐसे संस्थान जहाँ गुरु अपने शिष्यों को शिक्षा प्रदान करते हैं।
वैष्णव : भगवान विष्णु का उपासक।
सभागार : एक बड़ा कमरा जहां लोग बैठकर कोई कार्यक्रम देखते हैं।
छद्म युद्ध : ऐसा युद्ध जिसमें असली हथियारों का इस्तेमाल नहीं किया जाता।
मुद्राएं : नृत्य में शरीर के विभिन्न अंगों की स्थिति
नृत्यांगना : नृत्य कला में निपुण स्त्री।

पाठ से

मेरी समझ से

(क) नीचे दिए गए प्रश्नों का सटीक उत्तर कौन-सा है? उसके सामने तारा (★) बनाइए–

1. **माँ एलेसेंड्रा के बारे में कौन- -सा कथन सत्य है?**

- **वे असम के जीवन के बारे में बहुत-कुछ जानती थीं।**
- **उन्हें असम, बिहू और सत्रिया नृत्य से बहुत प्रेम था।** ★
- **उन्होंने एंजेला को कुछ असमिया शब्द भी सिखाए।**
- **वे अपने कार्य में सहायता के लिए बेटी को लाई थीं।**

2. **"अनु और एंजेला ने तुरंत एक दूसरे की तरफ़ देखा।" क्यों?**

- **अनु के पास खिलौने थे।**
- **दोनों की आयु एक समान थी।**
- **दोनों को अंग्रेज़ी भाषा आती थी।** ★
- **एंजेला अनु से असमिया भाषा सीखना चाहती थी।**

(ख) अब अपने मित्रों के साथ चर्चा कीजिए और कारण बताइए कि आपने ये उत्तर ही क्यों चुने?

उत्तर:-

1. पाठ में स्पष्ट रूप से उल्लेखित है कि एलेसेंड्रा एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म निर्माता हैं और उन्हें असम की नृत्य परंपरा पर एक डॉक्यूमेंट्री बनाने के लिए वित्तीय मदद मिली थी। इसका अर्थ है कि उन्हें असम, बिहू और सत्रिया नृत्य से गहरा लगाव था।
2. दोनों एक ही भाषा बोलते थे और इसलिए वे तुरंत एक-दूसरे के करीब आ गए।

मिलकर करें मिलान

पाठ में से कुछ शब्द चुनकर स्तंभ 1 में दिए गए हैं। उनसे संबंधित वाक्य स्तंभ 2 में दिए गए हैं। अपने समूह में इन पर चर्चा कीजिए और रेखा खींचकर शब्दों का मिलान 'उपयुक्त वाक्यांशों से कीजिए। इसके लिए आप शब्दकोश, इंटरनेट या अपने शिक्षकों की सहायता ले सकते हैं।

स्तंभ 1	स्तंभ 2	उत्तर:
1. सत्र	1. ग्रेगरी कैलेंडर के अनुसार 1 जनवरी 1901 से 31 दिसंबर 2000 तक का समय।	1. 6
2. बोहाग बिहू	2. 'यूनाइटेड किंगडम' और 'इंग्लैंड' की राजधानी।	2. 4
3. लंदन	3. 'यूनाइटेड किंगडम' देश की एक सरकारी संस्था।	3. 2
4. गुवाहाटी	4. असम में मनाया जाने वाला एक त्योहार। यह असम में नए साल की शुरुआत और बसंत के आगमन का प्रतीक	4. 5

Free worksheets, Learning material, practice tests & more at www.onepointlearning.com

5. ब्रिटिश अकादमी	है। 5. भारत के असम राज्य का एक प्राचीन और सबसे बड़ा नगर ह।	5. 3
6. बीसवीं शताब्दी	6. ये असम के मठ हैं। इनकी संख्या पाँच सौ से भी ज्यादा है। ये पूजा-पाठ और धार्मिक गतिविधियों के स्थान हैं। सत्रिया नृत्य की उत्पत्ति इन्हीं सत्रों में हुई है।	6. 1

पंक्तियों पर चर्चा

पाठ में से चुनकर कुछ पंक्तियाँ नीचे दी गई हैं। इन्हें ध्यान से पढ़िए और इन पर विचार कीजिए। आपको इनका क्या अर्थ समझ में आया? अपने विचार अपनी कक्षा में साझा कीजिए और लिखिए।

(क) "असम, भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में है, जिसे अपने वन्य-जीवन, रेशम और चाय के बागानों के लिए जाना जाता है। इसके साथ असम में नृत्य की भी एक समृद्ध परंपरा है।"

उत्तर: इन पंक्तियों का सीधा सा मतलब है कि असम राज्य भारत के पूर्वोत्तर हिस्से में स्थित है। यह राज्य अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए जाना जाता है, जिसमें वन्य जीवन, रेशम के कीड़े और चाय के बागान शामिल हैं। इसके साथ ही, असम अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए भी जाना जाता है।

(ख) "पूरी दुनिया की संस्कृतियों में लोग नृत्य और संगीत से अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हैं।"

उत्तर: नृत्य और संगीत का संस्कृति से गहरा संबंध होता है। ये जीवन जीने के तरीके हैं। नृत्य और संगीत में संस्कृतियों के समान विविधता है।

सोच-विचार के लिए

निबंध को एक बार फिर से पढ़िए और निम्नलिखित के बारे में पता लगाकर अपनी लेखन पुस्तिका में लिखिए–

(क) "एंजेला के मन में कई तरह के विचार चल रहे थे।"
उसके मन में कौन-कौन से विचार चल रहे होंगे?

उत्तर: एंजेला को भारतीय नृत्य परंपरा, मनमोहक संगीत और भारतीय समाज पर इसके प्रभावों पर सोच रही थी ।

(ख) "बिहू एक कृषि आधारित त्योहार है।" कैसे?

उत्तर: असम का बिहू नृत्य ग्रामीण जनजीवन के साथ-साथ फसल लगाने से लेकर बसंत के आगमन तक से जुड़ा हुआ है। भारत में जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा किसानों का है। असम में बिहू साल में तीन बार मनाया जाता है। सबसे पहले किसान बीज बोते हैं, फिर जब वे धान रोपते हैं और फिर अनाज तैयार हो जाने पर बिहू उत्सव आनंद से मनाया जाता है।

(ग) ऐसा लगता है कि भारत से जाने के बाद भी एंजेला के मन में असम ही छाया हुआ था। पाठ इस कथन के समर्थन के लिए कुछ उदाहरण खोजकर लिखिए।

उत्तर: लंदन लौटने के बाद भी एंजेला असम राज्य के सत्रिया और बिहू नृत्य से अत्यधिक प्रभावित रही। वह हर पल भारतीय नृत्य का अभ्यास कर रही थी । खाने-पीने, चलने और यहाँ तक कि खेलने के दौरान भी वह नृत्य करती रही। एंजेला ने लंदन में अपने स्कूल की कक्षा में स्वयं किए गए रंग-बिरंगे 'सत्रिया' और आनंदित करने वाले 'बिहू' नृत्य को वीडियो रिकार्डिंग के साथ प्रदर्शित किया।

(घ) समय के बदलने के साथ-साथ सत्रिया नृत्य की परंपरा में क्या बदलाव आया है?

उत्तर: सत्रिया नृत्य भारतीय शास्त्रीय नृत्य का एक हिस्सा है। 'सत्रिया' नाम असम के मठों से आया है। उन्नीसवीं सदी तक सत्रिया नृत्य केवल पुरुष नर्तक तक ही सिमित था पर अब सत्रिया नृत्य मठों से बाहर निकला और महिलाएँ भी सत्रिया नृत्य सीखने लगीं। आधुनिक दौर के साथ पहनावे और आभूषणों में कुछ बदलाव आए हैं। नृत्यकारों ने अपनी रचनात्मकता से नई शैलियों का विकास किया है। अब इसे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी प्रस्तुत किया जाता है।

निबंध की रचना

"गुवाहाटी के एक होटल में सामान्य होने के बाद वे उसी शाम पा के एक गाँव मलंग में गए। गाँव पहुँचने पर माँ ने एंजेला को बताया कि बिहू एक कृषि आधारित त्योहार है। असम में बिहू साल में तीन बार मनाया जाता है।"

इन वाक्यों में बिहू और असम का ऐसा रोचक और सरस वर्णन किया गया है कि लगता है मानो हम कोई कहानी पढ़ रहे हैं।

इस निबंध में वस्तु, घटना, प्रदेश आदि का वर्णन किया गया है। इसमें जो कुछ भी स्वयं देखा गया है, उसका वर्णन किया गया है। इस प्रकार के निबंधों में घटनाओं का एक क्रम होता है। इनमें आम जीवन की बातें होती हैं। इनकी भाषा सरल होती है। उदाहरण के लिए होली, दीपावली आदि के बारे में बताना।
इस पाठ को एक बार फिर से पढ़िए और इसकी बनावट पर ध्यान दीजिए। इस पाठ की विशेषताएँ पहचानिए और अपनी कक्षा में साझा कीजिए और लिखिए, जैसे इस पाठ में लंदन से यात्रा शुरू करने से लेकर वापस लंदन पहुँचने तक के अनुभवों का वर्णन किया गया है।

उत्तर: स्वयं अभ्यास करेंगे। इसके लिए अपने अध्यापक की सहायता ले सकते हैं।

अनुमान या कल्पना से

अपनी कक्षा में चर्चा कीजिए-

(क) "बिहू नृत्य और इसके उत्सव से अचंभित एंजेला और उसके परिवार ने इसके साथ-साथ लजीज पकवानों का पूरा आनंद लिया।"

एंजेला और उसका परिवार बिहू नृत्य और उसके उत्सव को देखकर अचंभित क्यों हो गया?

उत्तर: बिहू उत्सव की भव्यता, नृत्य की जीवंतता और असम की संस्कृति की अनूठी विशेषताओं ने एंजेला और उसके परिवार को अचंभित कर दिया। इसके अलावा, बिहू के दौरान परोसे जाने वाले लजीज पकवानों ने भी उनके अनुभव को और अधिक यादगार बना दिया। असम का खाना अपनी अनूठी स्वाद और मसालों के लिए जाना जाता है। बिहू के दौरान पारंपरिक पकवानों का आनंद लेना एंजेला और उसके परिवार के लिए एक नया अनुभव रहा होगा।करी हुई थी।

(ख) "जब तक एंजेला कुछ समझ पाती, तब तक वह लंदन से नई दिल्ली होते हुए गुवाहाटी की उड़ान पर थी।"

एंजेला और उसकी माँ एलेसेंड्रा ने भारत की यात्रा से पहले कौन-कौन सी तैयारियाँ की होंगी?

उत्तर: माँ एलेसेंड्रा के पास एक महीने का वक्त था। उन्होंने स्कूल प्रशासन को इसकी जानकारी दी और एंजेला के स्कूल से उसकी छुट्टियों की अनुमति ले ली। उन्होंने यात्रा के लिए जरूरी दस्तावेज़ संभाले होंगे। डॉक्यूमेंट्री से संबंधित उपकरणों और वस्तुओं को ध्यान से पैक किया होगा। इसके अलावा व्यक्तिगत आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु सामान रखा होगा। माँ ने भारत के असम राज्य में रहने के स्थान और शूटिंग के समय और स्थान की भी उचित जानकारी इकट्ठा की होगी। इससे समय की बचत होती है और डॉक्यूमेंट्री निर्माण भी सुचारू रूप से होने में मदद मिली होगी।

(ग) "वहाँ एक बड़े से बरगद के पेड़ के नीचे मंच बनाया गया था।"

बिहू नृत्य के लिए बरगद के पेड़ के नीचे मंच क्यों बनाया गया होगा?

उत्तर: बिहू नृत्य के लिए बरगद के पेड़ के नीचे मंच बनाने के पीछे प्राकृतिक कारण हो सकता है कि बरगद का पेड़ एक विशाल और छायादार पेड़ होता है। बिहू उत्सव अक्सर गर्मियों के मौसम में मनाया जाता है, इसलिए बरगद की छाया नर्तकों और दर्शकों दोनों के लिए प्राकृतिक ठंडक प्रदान करती होगी हैं।

शब्दों की बात

नीचे शब्दों से जुड़ी कुछ गतिविधियाँ दी गई हैं। इन्हें करने के लिए आप शब्दकोश, अपने शिक्षकों और मित्रों की सहायता भी ले सकते हैं।

असम से जुड़े शब्द

इस पाठ में अनेक शब्द ऐसे हैं जो असम से विशेष रूप से जुड़े हैं। अपने समूह में मिलकर उन शब्दों की पहचान कीजिए। इसके बाद उन्हें नीचे दिए गए स्थान पर लिखिए–

(संकेत— असम के नृत्य, त्योहार, भाषा आदि।)

तीन बिहू

"असम में बिहू साल में तीन बार मनाया जाता है।"

रोंगाली या बोहाग (बैसाख, सामान्यतया अप्रेल में)	भोगाली या माघ (माघ, सामान्यतया जनवरी में)	कोंगाली या काटी (कार्तिक, सामान्यतया अक्तूबर में)

(क) एंजेला और उसकी माँ एलेसेंड्रा कौन-से बिहू के अवसर पर भारत आए थे? लिखिए।

उत्तर: एंजेला और उसकी माँ एलेसेंड्रा अप्रैल के महीने में भारत पहुँचे थे। यह अवसर रोंगाली या बोहाग का था।

(ख) तीनों बिहू के लिए लिखिए कि उस समय किसान खेतों में क्या कर रहे होते हैं?

उत्तर: असम में बिहू साल में तीन बार मनाया जाता है।

- **रोंगाली बिहू:** इस समय किसान धान की खेती के लिए खेत तैयार करते है।
- **भोगाली बिहू:** इस समय किसान खेत में धान रोपते हैं।
- **कोंगाली बिहू:** इस समय खेतों में अनाज तैयार हो जाता है और किसान फ़सल की कटाई करते है।

पाठ से आगे

आपकी बात

अपने समूह में चर्चा कीजिए–

(क) "रीना आंटी की एक बिटिया थी– अनु"

'बिटिया' का अर्थ है 'बेटी'। बेटी को प्यार से बुलाने के लिए और स्नेह जताने के लिए 'बिटिया' शब्द का प्रयोग भी किया जाता है। 'बिटिया' जैसा ही एक अन्य शब्द 'बिट्टो ' भी है।

आपके घर में आपको प्यार से किन-किन नामों से पुकारा जाता है?

उत्तर: बिट्टो, गुड़िया, लाडो, राजकुमारी।

(ख) आपके नाम का क्या अर्थ है? आपका नाम किसने रखा? पता करके बताइए।

उत्तर: मेरा नाम रोनक हैं और वह नाम मेरी बुआ ने रखा हैं और उसका अर्थ प्रकाश, उजाला होता हैं।

(ग) "वे एक साथ खेल रहे थे"

आप कौन-कौन से खेल अपने मित्रों के साथ मिलकर खेलते हैं? बताइए ।

उत्तर: में अपने मित्रों के साथ सबसे ज्यादा खो-खो, कबड्डी, क्रिकेट, हॉकी और फुटबॉल खेलता हूँ।

(घ) "असम में नृत्य की भी एक समृद्ध परंपरा है।"

आपने इस पाठ में बिहू और सत्रिया नृत्यों के बारे में तो पढ़ा है। आपके प्रांत में कौन-कौन से नृत्य प्रसिद्ध हैं? आपको कौन-सा नृत्य करना पसंद हैं?

उत्तर: महाराष्ट्र में लावणी, धनगरिगजा, लेज़िम, कोली और अन्य पारंपरिक नृत्य प्रसिद्ध हैं। पर मुझे लावणी पसंद हैं।

टाइम मशीन

"उसे ऐसा लग रहा था, जैसे वह आश्चर्यजनक रूप से किसी टाइम मशीन में आकर बैठ गई हो!" क्या आपने पहले कभी 'टाइम मशीन' का नाम सुना है? टाइम-मशीन ऐसी काल्पनिक मशीन है, जिसमें बैठकर बीते हुए या आने वाले समय की दुनिया में पहुँचा जा सकता है। 'टाइम-मशीन' को अभी तक बनाया नहीं जा सका है। लेकिन अनेक लेखकों ने 'टाइम मशीन' के बारे में कहानियाँ लिखी हैं, अनेक फ़िल्मकारों ने इसके बारे में फ़िल्में बनाई हैं।

(क) यदि आपको टाइम-मशीन मिल जाए तो आप उसमें बैठकर कौन-से समय में और कौन-से स्थान पर जाना चाहेंगे? क्यों?

उत्तर: अगर मुझे टाइम मशीन मिल जाए तो मैं आज़ादी के समय में जाना चाहूंगा। मैं देखना चाहूंगा कि हमारे वीरों ने कैसे देश की आजादी के लिए संघर्ष किया था। उन्होंने भारत को आजाद कराने में बहुत बड़ा योगदान दिया। उनके जीवन से बहुत कुछ सीखने को मिलता है।

(ख) आपको यदि कोई ऐसी वस्तु बनाने का अवसर मिले जो अभी तक नहीं बनाई गई है तो आप क्या बनाएँगे? क्यों बनाएँगे?

उत्तर: अगर मुझे कोई नई वस्तु बनाने का मौका मिले तो मैं एक ऐसी मशीन बनाऊंगा जो सारी बीमारियों का इलाज कर सके क्योंकि दुनिया में बहुत सारे लोग बीमारियों से पीड़ित हैं। मैं चाहता हूँ कि हर कोई स्वस्थ रहे और खुश रहे।

(ग) क्या आपने कभी किसी संग्रहालय की यात्रा की है? संग्रहालय ऐसा स्थान होता है जहाँ विभिन्न कालों की प्राचीन वस्तुएँ देखने को मिलती हैं। कभी-कभी संग्रहालय की यात्रा भी 'टाइम मशीन' की यात्रा जैसी लगती है।

अवसर मिले तो आप भी किसी संग्रहालय की यात्रा अवश्य कीजिए और उसके बारे में कक्षा में बताइए।

उत्तर: हाँ, मैंने कई संग्रहालयों की यात्रा की है। संग्रहालयों में जाकर हमें इतिहास के बारे में बहुत कुछ सीखने को मिलता है। हम प्राचीन समय की वस्तुओं, कपड़ों, हथियारों और बहुत सी अन्य चीजों को देख सकते हैं।

खिलौने विभिन्न प्रकार के

"एंजेला को अनु के खिलौने बहुत अच्छे लगे, जो थोड़े अलग तरह के थे।"

(क) अनु के खिलौने कैसे थे? लंदन में एंजेला के खिलौने कैसे रहे होंगे?

उत्तर: अनु के खिलौने लकड़ी और नारियल की जता से बने हुए थे इसलिए वह थोड़े अलग तरह के थे। लंदन में एंजेला के खिलौने शायद प्लास्टिक के इलेक्ट्रॉनिक के जैसे वीडियो गेम, रोबोट या संगीत बजाने वाले खिलौने होंगे।

(ख) आप घर पर कौन-कौन से खिलौनों से खेलते रहे हैं? उनके नाम बताइए।

उत्तर: में अपने घर में मोटर-कार, स्पाइडर मैन,बंदूक आदि खिलौनों से खेलता हूँ।
में अपने घर में गुड़िया, मिट्टी के बर्तन,गुड़िया आदि खिलौनों से खेलती हूँ।

(ग) भारत के प्रत्येक प्रांत में हाथ से बच्चों के अनोखे खिलौने बनाए जाते हैं। आपके यहाँ बच्चों के लिए हाथ से बने कौन-कौन से खिलौने मिलते हैं?

उत्तर: भारत में खिलौने बनाने के कई शिल्प हैं जिनमें लकड़ी, मिट्टी, कपड़ा, धातु और अन्य सामग्रियों का उपयोग किया जाता है।

- राजस्थान की कठपुतली
- वाराणसी, उत्तर प्रदेश के चमकीले और रंगीन लाख के खिलौने
- कर्नाटक राज्य के चन्नपटना में गाँव के हाथी दांत की लकड़ी से बनाए जाते खिलौने
- महाराष्ट्र के पीतल से बने भटुकली बर्तन सेट
- तमिलनाडु के तंजावुर शहर की सिर हिलाने वाली गुड़िया
- पश्चिम बंगाल के नादिया जिले के कृष्णानगर में बनने वाली मिट्टी के खिलौने

(घ) भारत के बच्चे स्वयं भी अपने लिए अनोखे खिलौने बना लेते हैं। आप भी तो कागज़, मिट्टी आदि से कोई न कोई खिलौना बनाना जानते होंगे? आप अपने हाथों से बनाए किसी खिलौने को कक्षा में लाकर दिखाइए और उसे बनाने का तरीका सबको सिखाइए।

उत्तर: स्वयं करें।

पत्र

(क) मान लीजिए आप एंजेला हैं। आप लंदन लौट चुकी हैं और आपको भारत की बहुत याद आ रही है। अपनी सखी को पत्र लिखकर बताइए अनु कि आपको कैसा अनुभव हो रहा है।

उत्तर:

लंदन,
27 अगस्त, 2024

प्रिय अनु,

तुम्हें पत्र लिखकर कितना अच्छा लग रहा है!
भारत से लौटकर मुझे बहुत अजीब सा लग रहा है। हर जगह सब कुछ इतना अलग है। यहाँ के घर बहुत बड़े हैं, लेकिन किसी तरह से वे उतने गर्म और आरामदायक नहीं लगते जितने हमारे घर लगते थे।
मुझे तुम्हारे घर में रहना बहुत पसंद था। तुम्हारी माँ कितना स्वादिष्ट खाना बनाती थीं! मुझे दाल-चावल और पकौड़े अभी भी याद हैं। यहाँ का खाना बहुत अलग है, और मुझे अभी तक इसकी आदत नहीं हो पाई है।
मुझे तुम्हारे साथ खेले हुए खिलौने भी बहुत याद आ रहे हैं। वे इतने खास थे, हाथ से बने और इतने रंगीन। यहाँ के खिलौने तो बस प्लास्टिक के हैं और बहुत जल्दी टूट जाते हैं।
मुझे तुम्हारे साथ बिताया हुआ हर पल बहुत याद आ रहा है। तुम्हारे साथ खेलना, तुम्हारी कहानियाँ सुनना, और तुम्हारे साथ घूमना... सब कुछ बहुत अच्छा था।
मुझे उम्मीद है कि तुम जल्द ही लंदन आओगी। मैं तुम्हें फिर से देखने के लिए बहुत उत्सुक हूँ।

तुम्हारी दोस्त,
एंजेला

(ख) आप जानते होंगे कि पत्र लिखने के लिए आवश्यक सामग्री, जैसे– पोस्टकार्ड, अंतर्देशीय लिफाफे आदि डाकघर से खरीदे जा सकते हैं। संभव हो तो आप भी अपने घर के पास के डाकघर में जाइए और एक पोस्टकार्ड खरीदकर पत्र लिखने के लिए उसका उपयोग कीजिए।

उत्तर: स्वयं करें।

(ग) क्या आपने कभी डाक टिकट देखा है? संसार के सभी देश डाक टिकट जारी करते हैं। भारत का डाक विभाग भी समय- समय पर डाक-टिकट जारी करता है। डाक टिकट किसी देश की संस्कृति के बारे में

महत्वपूर्ण जानकारी भी उपलब्ध कराते हैं। इसलिए अनेक लोग देश-विदेश के डाक-टिकटों को एकत्रित करना पसंद करते हैं।

नीचे भारत के विभिन्न लेखकों के सम्मान में जारी किए गए कुछ डाक-टिकटों के चित्र दिए गए हैं। इन्हें ध्यान से देखिए-

(क) आपको इनमें से कौन-सा डाक टिकट सबसे अच्छा लगा और क्यों?

उत्तर: स्वयं करें।

(ख) डाक टिकटों पर लेखकों के बारे में कौन-कौन सी जानकारी दी गई है?

उत्तर: स्वयं करें।

आज की पहेली

आज हम आपके लिए लाए हैं कुछ असमिया पहेलियाँ। हो सकता है इनमें से कुछ पहेलियों को पढ़कर आपको लगे, अरे! ये पहेली तो मेरे घर पर भी बूझी जाती है ! तो कुछ पहेलियाँ आप पहली बार बूझेंगे। तो आइए, आनंद लेते हैं इन रंग-बिरंगी पहेलियों का–

उत्तर:

1. मुली
2. नारियल
3. लब, होठ
4. चिट्टी

झरोखे से

"असम, भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में है, जिसे अपने वन्य-जीवन, रेशम और चाय के बागानों के लिए जाना जाता है।"

आपने पढ़ा है कि असम का रेशम (जिसे मूँगा सिल्क भी कहा जाता है) बहुत प्रसिद्ध है। क्या आप जानना चाहते हैं, यह क्या है, कैसे बनता है और क्यों प्रसिद्ध है? हाँ? तो पढ़िए आगे–

असम का सुप्रसिद्ध मूँगा सिल्क

कुछ वर्ष पूर्व मेरी नियुक्ति गुवाहाटी हवाई अड्डे पर हुई थी। वहाँ पर प्रायः मैं महिलाओं को एक विशेष प्रकार की आकर्षक साड़ी पहने देखता था। यह साड़ी सदैव भूरे-सुनहरे रंग की झिलमिली- सी होती थी। उस पर अधिकतर पारंपरिक ढंग से लाल या काली बार्डर तथा हरे, लाल अथवा पीले रंग से बूटों आदि की कढ़ाई रहती थी। कुछ समय पश्चात जब मैं असम के एक विवाह समारोह में गया, तो वहाँ भी अधिकतर महिलाएँ उसी प्रकार की अन्य चमकीली भूरी-सुनहरी साड़ियाँ पहन कर आई थीं। अनेक पुरुषों ने भी उसी प्रकार के भूरे-सुनहरे रंग के कुर्ते पहने हुए थे। बस केवल रंगों में हल्के या गहरे का अंतर था। मैंने अपने एक असमी मित्र से छ कि यह कैसा भूरा-चमकीला कपड़ा है।

मित्र ने बताया कि यह भूरा नहीं बल्कि सुनहरा है। यह असम का सुप्रसिद्ध मूँगा सिल्क है जो सभी प्रकार के रेशमों में सबसे महँगा होता है। मूँगा का असमिया भाषा में अर्थ है पीला या गहरा भूरा। और इसकी सबसे बड़ी विशेषता है कि सम्पूर्ण विश्व में यह केवल असम तथा देश के पूर्वोत्तर राज्यों में ही तैयार होता है। यह असम को प्रकृति द्वारा दिया गया अनमोल और अद्वितीय उपहार है।

मित्र ने यह भी बताया कि मूँगा सिल्क की साड़ियों की एक खूबी यह है कि अन्य रेशमी कपड़ों के विपरीत इनको 'ड्राई क्लीन' कराने की आवश्यकता नहीं होती है, बल्कि उन्हें घर पर ही धोया जा सकता है। हर धुलाई के बाद इनका निखार बढ़ता ही जाता है। एक साड़ी औसतन 50 वर्ष तक खराब नहीं होती है। ऐसा माना जाता है कि मूँगा रेशम सभी प्रकार के प्राकृतिक रूप से तैयार किए जाने वाले कपड़ों में सबसे मज़बूत होता है। इसके अलावा इसे गर्मी या सर्दी किसी भी मौसम में पहना जा सकता है। असम के लोगों का मानना है कि मूँगा सिल्क के कपड़ों में अनेक औषधीय गुण भी होते हैं।

- बिमल श्रीवास्तव, स्रोत पत्रिका, अप्रैल 2008

साझी समझ

आपको इस लेख में दी गई कौन-सी जानकारी सबसे अच्छी लगी? क्यों? अपने समूह में बताइए ।
उत्तर: मुझे इस लेख में यह जानकर सबसे ज्यादा अच्छा लगा कि असम का मूँगा सिल्क एक ऐसा अनमोल खजाना है जो पूरी दुनिया में सिर्फ असम और पूर्वोत्तर भारत में ही पाया जाता है। यह असम को प्रकृति का दिया गया एक अद्वितीय उपहार है।

असम का मूँगा सिल्क अपनी सुंदरता, टिकाऊपन, सांस्कृतिक महत्व और बहुमुखी प्रतिभा के कारण लोगों को बहुत पसंद आता है। यह भारत का एक अनमोल खजाना है।